हिंदी

कक्षा 10

सत्र 2024–25

DIKSHA एप कैसे डाउनलोड करें?

विकल्प 1 : अपने मोबाइल ब्राउज़र पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2 : Google Play Store में DIKSHA NCTE ढूंढ़े एवं डाउनलोड बटन पर tap करें।

DIKSHA

मोबाइल पर QR कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें ?

DIKSHA App को लॉच करे → App की समस्त अनुमति को स्वीकार करें → उपयोगकर्ता Profile का चयन करें।

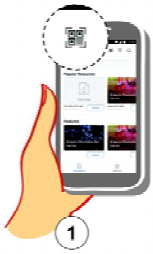

1 पाठ्यपुस्तक में QR Code को Scan करने के लिए मोबाइल में QR Code tap करें।

2 मोबाईल को QR Code पर केन्द्रित करें।

3 सफल Scan के पश्चात् QR Code से लिंक की गई सूची उपलब्ध होगी।

डेस्कटॉप पर QR Code का उपयोग कर डिजिटल विषय–वस्तु तक कैसे पहुँचे ?

1 QR Code के नीचे 6 अंक का Alpha Numeric Code दिया गया है।

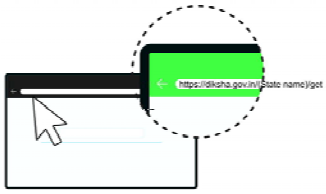

2 ब्राउज़र में diksha. gov.in/cg टाईप करें।

3 सर्च बार पर 6 डिजिट का QR CODE टाईप करें।

4 प्राप्त विषय–वस्तु की सूची से चाही गई विषय–वस्तु पर क्लिक करें।

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् छत्तीसगढ़, रायपुर

निःशुल्क वितरण हेतु

प्रकाशन वर्ष : 2024

© संचालक, एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

मार्गदर्शक : प्रो. रमा कान्त अग्निहोत्री, दिल्ली

सहयोग : विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर (राज.), अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन

समन्वयक : डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

विषय–समन्वयक : डॉ. विद्यावती चन्द्राकर, एस.सी.ई.आर.टी. छत्तीसगढ़, रायपुर

लेखन समूह : दिनेश गौतम, डॉ. रचना दत्त, रामकृष्ण पुष्पकार, संजय पाण्डेय, सतीश उपाध्याय, कार्तिकेय शर्मा, पुष्पराज राणावत, अंजना राव, डॉ. विद्यावती चन्द्राकर

आवरण पृष्ठ एवं ले–आउट : रेखराज चौरागड़े, भवानी शंकर,

टंकण : शिवकुमार सोनी, सुरेश कुमार साहू

FZ9UB6

प्रकाशक

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मुद्रक

मुद्रित पुस्तकों की संख्या – .....

आमुख

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रुपरेखा हमें बताती है कि शिक्षार्थी के स्कूली जीवन और स्कूल के बाहरी जीवन में अंतराल नहीं होना चाहिए। किताब और किताब के बाहर की दुनियां आपस में गुँथी हुई होनी चाहिए। आशा है कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल केन्द्रित शिक्षा व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जायेगा। इसी आलोक में नवीन पाठ्यक्रम के आधार पर विकसित इस पुस्तक के विकास में इस बात का भी ध्यान रखा गया है कि "शिक्षा का मतलब छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षार्थियों को इतना सक्षम बना देना है कि वे अपने जीवन का सही–सही अर्थ समझ सकें, अपनी समस्त योग्यताओं का समुचित विकास कर सकें, अपने जीवन का मकसद तय कर सकें और उसे प्राप्त करने हेतु यथासंभव सार्थक और प्रभावी प्रयास कर सकें तथा इस बात को भी समझ सकें कि समाज के दूसरे व्यक्ति को भी ऐसा करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।"

इस पुस्तक में किशोरवय के शिक्षार्थियों की कल्पना शक्ति के विकास, उनकी गतिविधियों की सृजनशीलता, उनके सवाल करने और साथ–साथ मिलकर उत्तर खोजने के मौलिक अधिकार के समुचित संरक्षण और उसे रचनात्मक दिशा देने की कोशिश की गई है। निश्चय ही इसमें शिक्षार्थियों के साथ–साथ शिक्षकों के भी गहरे लगाव के साथ उतनी ही भूमिका अपेक्षित है। शिक्षार्थियों के प्रति संवेदनशीलता और समानानुभूति के साथ उन्हें पुस्तक में गहरी सक्रिय सहभागिता बरतनी होगी और इकाई परिचय, लेखकवृत्त, मूल पाठ, और उसके साथ संलग्न विविध आयाम से निर्मित प्रश्नों के सन्दर्भ में समुचित जागरूकता की दरकार स्वाभाविक है। हर पाठ के साथ अनेक तरह के अभ्यास हैं जिनसे शिक्षार्थियों की पाठ पर पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही उनके भीतर व्यापक जिज्ञासा भाव को प्रोत्साहन मिलेगा।

इस पुस्तक की परिकल्पना में अनेक महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा गया है। भाषा और साहित्य के ढर्रे में बँधे घेरों को सकारात्मक स्तर पर तोड़ने और वृहत्तर अनुभव क्षेत्रों को उनसे जोड़ने के साथ–साथ वैविध्य पूर्ण पाठ श्रृंखला को उबाऊ होने से बचाने का प्रयत्न किया गया है। पाठ बोझिल न हों और सामयिक जीवन सन्दर्भों से जुड़कर शिक्षार्थियों के लिए रोचक बन जाएँ ताकि शिक्षार्थी उत्सुकता और आनन्द के साथ, तनाव रहित तरीके से उन्हें पढ़ते हुए विविध जानकारी प्राप्त करें और जानकारी का ज्ञान के सृजन में उपयोग कर सकें। इस प्रयत्न की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि स्कूल शिक्षार्थियों को कल्पनाशील व रचनात्मक गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार के अवसर कितनी सहजता से उपलब्ध करा पाते हैं।

इस पाठ्यपुस्तक पर काम करते हुए इस तथ्य को बार–बार ध्यान में रखा गया है कि शिक्षा के तमाम पहलुओं व अनुभवों से किनारा करते हुए पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृति से बाहर निकलने की जरूरत है। पाठगत अभ्यासों की विविधता (प्रश्नों, प्रवृतियों) से गुजरते हुए इसे महसूस किया जा सकता है साथ ही इस प्रयास को भी बल दिया जा सकता है कि किसी भी सृजन और पहल को आकार देने के लिए जरूरी है कि हम शिक्षार्थी को सीखने की हर प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार मानें और उसे प्रोत्साहित करें।

कक्षा 10 के छात्रों की उम्र उनकी रचनात्मकता, क्षमता एवं रुचि को ध्यान में रखते हुए यह प्रयास किया गया है कि इसके माध्यम से वे विविध साहित्यिक विधाओं की विशेषताओं से परिचित हों और उनमें स्वाध्याय की प्रवृत्ति भी विकसित हो। यह भी प्रयत्न किया गया है कि जो साहित्यिक विधाएँ नवीं कक्षा की पाठ्यपुस्तक में सम्मिलित नहीं हो पाई हैं, वे इस पुस्तक में आ जाएँ। इस दृष्टि से इस पुस्तक में कविता, जीवनी, निबंध, आत्मकथा, व्यंग्य, रेखाचित्र और लघुकथा को स्थान दिया गया है। इनके अध्ययन से अपेक्षा की जाती है कि शिक्षार्थी इन विविध विधाओं की शैलीगत और भावगत विशेषताओं से परिचित होने के साथ–साथ परिवार, समाज और सांस्कृतिक परिवेश की पृष्ठभूमि पर रचित रचनाओं से भी परिचित हो सकेंगे। इन पाठों द्वारा मुख्य रूप से यह भी अपेक्षा है कि ये पाठ शिक्षार्थियों को रुचिकर लगेगी और उनमें स्वाध्याय की प्रवृत्ति बढ़ाने के साथ–साथ विभिन्न जीवन मूल्यों के प्रति समझ भी उत्पन्न कर सकेगी। प्रत्येक पाठ के अंत में विविध स्वरूप में बोध–प्रश्न भी दिए गए हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से न केवल शिक्षार्थियों के बोध का मूल्यांकन हो सकेगा बल्कि पाठ में निहित विविध शैक्षणिक बिंदु भी उभरकर सामने आ सकेंगे।

इस पुस्तक के निर्माण में चयन और प्रस्तुति दोनों ही स्तरों पर यह कोशिश रही है कि हिंदी भाषा–साहित्य की शिक्षा अमूर्त न रह कर विद्यार्थी के जीवन, रुचि और अनुभव संसार का हिस्सा बन सकें। यह पुस्तक युवावस्था की दहलीज पर कदम रखते जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाएँ तलाश रहे किशोर विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है। हमारा प्रयास है कि भाषा–साहित्य की यह पुस्तक संभावनाएँ तलाशते शिक्षार्थियों के लिए सोच–विचार, विमर्श और अभिव्यक्ति का पुख्ता आधार तैयार करने में मदद करे।

स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, छ.ग. द्वारा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में दक्षता संवर्धन हेतु अतिरिक्त पाठ्य संसाधन उपलब्ध कराने की दृष्टि से Energized Text Books एक अभिनव प्रयास है, जिसे ऑन लाईन एवं ऑफ लाईन (डाउनलोड करने के उपरांत) उपयोग किया जा सकता है। ETBs का प्रमुख उद्देश्य पाठ्यवस्तु के अतिरिक्त ऑडियो–वीडियो, एनीमेशन फॉरमेट में अधिगम सामग्री, संबंधित अभ्यास, प्रश्न एवं शिक्षकों के लिए संदर्भ सामग्री प्रदान करना है।

पुस्तक में पाठ के आरम्भ के साथ ही रचनाकारों का संक्षिप्त परिचय भी दिया गया है, ताकि शिक्षार्थी रुचि लें तथा उनकी अन्य रचनाएँ खोजकर पढ़ सकें और रचनाकार के बारे में भी जानकारी हासिल कर सकें। आशा है शिक्षार्थियों की भाषिक तथा साहित्यिक रुचियों के विकास की दृष्टि से यह पुस्तक उपयोगी सिद्ध होगी। शिक्षार्थी, पुस्तक और अध्यापक के बीच एक संवादात्मक रिश्ता कायम हो, पुस्तक इस दिशा में एक प्रयास है। यह प्रयास निरंतर बेहतर होता रहे इसके लिए आपकी प्रतिक्रिया एवं सुझाव अपेक्षित हैं।

संचालक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
छत्तीसगढ़, रायपुर

अनुक्रमणिका

इकाई / पाठ			विधा	लेखक	पृष्ठ संख्या
इकाई – 1 प्रकृति व पर्यावरण					**01–20**
पाठ 1.1	:	चंद्रगहना से लौटती बेर	(कविता)	केदारनाथ अग्रवाल	03–07
पाठ 1.2	:	नर्मदा का उद्‌गम : अमरकंटक	(लेख)	डॉ. श्रीराम परिहार	08–14
पाठ 1.3	:	बादल को घिरते देखा है	(कविता)	नागार्जुन	15–20
इकाई – 2 समसामयिक मुद्‌दे					**21–40**
पाठ 2.1	:	मैं मजदूर हूँ	(निबंध)	डॉ. भगवत शरण उपाध्याय	23–29
पाठ 2.2	:	जनतंत्र का जन्म	(कविता)	रामधारी सिंह दिनकर	30–35
पाठ 2.3	:	अपनी–अपनी बीमारी	(व्यंग्य)	हरिशंकर परसाई	36–40
इकाई – 3 मानवीय अनुभूतियाँ					**41–74**
पाठ 3.1	:	माटीवाली	कहानी	विद्यासागर नौटियाल	44–50
पाठ 3.2	:	कन्यादान	कविता	ऋतुराज	51–53
पाठ 3.3	:	घीसा	रेखाचित्र	महादेवी वर्मा	54–63
पाठ 3.4	:	पुरस्कार	कहानी	जयशंकर प्रसाद	64–74
इकाई – 4 छत्तीसगढ़ –परिवेश, कला, संस्कृति एवं व्यक्तित्व					**75–96**
पाठ 4.1	:	अमर शहीद वीरनारायण सिंह	जीवनवृत्त	डॉ. श्रीमती सुनीत मिश्र	77–83
पाठ 4.2	:	गृहप्रवेश	कविता	सतीश जायसवाल	84–88
पाठ 4.3	:	छत्तीसगढ़ की लोककलाएँ	लेख	दानेश्वर शर्मा	89–96
इकाई – 5 छत्तीसगढ़ी भाषा व साहित्य					**97–114**
पाठ 5.1	:	ये जिनगी फेर चमक जाए	कविता	भगवती लाल सेन	99–101
पाठ 5.2	:	मरिया	कहानी	डॉ. परदेशी राम वर्मा	102–108
पाठ 5.3	:	शील के बरवै छंद	कविता	शेषनाथ शर्मा ''शील''	109–114

DUHG67

इकाई – 6 जीवन–दर्शन				**115–129**
पाठ 6.1	: जीवन का झरना	कविता	आरसी प्रसाद सिंह	117–119
पाठ 6.2	: एक था पेड़ और एक था ठूँठ	निबंध	कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर	120–124
पाठ 6.3	: साध	कविता	सुभद्रा कुमारी चौहान	125–128
इकाई – 7 विविध				**129–148**
पाठ 7.1	: मध्ययुगीन काव्य			
7.1.1	: मीरा बाई	पद	संकलित	131–133
7.1.2	: संत दादू दयाल	पद	संकलित	134–137
पाठ 7.2	: मैं लेखक कैसे बना	आत्मकथा	अमृतलाल नागर	138–142
पाठ 7.3	: जेबकतरा	लघुकथा	ज्ञानप्रकाश विवेक	143–144
पाठ 7.4	: गोधूलि	लघुकथा	एच.एच.मुनरो	145–148
इकाई – 8 हिंदी साहित्य का इतिहास				**149–162**